11. "रिपोर्ताज साहित्यिक विधा नहीं होते हुए भी अपने गुणों के कारण साहित्य में उतनी ही प्रसिद्ध है जितनी आमजन में।" कथन की विवेचना कीजिए।

12. प्रसाद के नाटक साहित्य का परिचयात्मक विवरण देते हुए 'चन्द्रगुप्त' का स्थान निर्धारित कीजिए।

13. एकांकी कला के आधार पर 'आवाज का नीलाम' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

MAHD–05

December – Examination 2023

M.A. (Final) Examination

हिन्दी साहित्य

(नाटक और कथेन्तर गद्य विधाएँ)

Paper : MAHD-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का रचनाकाल बताइए।

   (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी के **दो** निबन्ध संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

(iii) प्रसाद के **दो** प्रमुख गीतिनाट्यों के नाम बताइए।

(iv) 'नीली झील' एकांकी के रचनाकार का नाम बताइए।

(v) 'आधे-अधूरे' नाटक के नायक का नाम लिखिए।

(vi) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' निबन्ध के लेखक का नाम बताइए।

(vii) डायरी विधा को परिभाषित कीजिए।

(viii) डॉ. विद्यानिवास मिश्र द्वारा रचित ललित निबन्ध का नाम बताइए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंगसहित व्याख्या कीजिए :

"इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा आने वाली पीढ़ी पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी सन्तान के सम्भावित संकट की कल्पना-मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब सन्तान समर्थ है, बड़ा-से -बड़ा संकट झेल लेगी।"

3. निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंगसहित व्याख्या कीजिए :

"पहाड़ों पर चाँदनी का यह अद्भुत मायाजाल मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय से मेरी आँखें मुँद गई थीं। उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी सांप की आँख जैसा एक अविस्मृत जादुई सम्मोहन होता है।"

4. हिन्दी निबन्ध के विकास की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

5. हिन्दी रंगमंच के विकास में भारतेन्दु के महत्व को रेखांकित कीजिए।

6. 'अंधायुग' की आधुनिकता पर चर्चा कीजिए।

7. आत्मकथा को परिभाषित करते हुए आत्मकथा के विकास एवं प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय दीजिए।

8. 'अशोक के फूल' निबन्ध का भाषिक सौन्दर्य निरूपित कीजिए।

9. हरिशंकर परसाई की निबन्ध कला की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध के प्रतिपाद्य एवं शिल्प की विवेचना कीजिए।